आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 18.11.2025
समय 1830

e[; lekpkj %&

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदान किए। अल्मोड़ा निवासी मोहन चंद्र कांडपाल, राष्ट्रीय जल पुरस्कार से सम्मानित।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की युवाओं से अपील– नशे को मजबूती के साथ ना कहें, अपने साथियों को भी ना कहने के लिए प्रेरित करें।
- सांसद अजय भट्ट ने रुद्रपुर में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक ली। अनुपस्थित अधिकारियों का वेतन रोकने और स्पष्टीकरण लेने के निर्देश दिए।
- चम्पावत जिले के टनकपुर में आयोजित सहकारिता मेले में जैविक उत्पादों की धूम।

jk"Vªh; ty iqjLdkj

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने जल की उपलब्धता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी से मिलकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि जलवायु परिवर्तन आज के समय में जल चक्र को प्रभावित कर रहा है। नई दिल्ली में छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार 2024 और प्रथम जल संचय जन भागीदारी पुरस्कार प्रदान करते हुए राष्ट्रपति ने यह बात कही।
सर्वश्रेष्ठ ज़िला, सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत, सर्वश्रेष्ठ शहरी स्थानीय निकाय, सर्वश्रेष्ठ संस्थान, सर्वश्रेष्ठ विद्यालय और सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति सहित दस श्रेणियों में 46 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। राष्ट्रपति ने अल्मोड़ा निवासी मोहन चंद्र कांडपाल को राष्ट्रीय जल पुरस्कार से सम्मानित किया।

u"kkeqDr Hkkjr vfHk;ku

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने युवाओं से अपील की है कि वो नशे को पूरी मजबूती के साथ ना कहें और अपने साथियों को भी नशे के लिए ना कहने के लिए प्रेरित करें। वे नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूरे होने के अवसर पर आज देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार नशे के विरुद्ध इस महाअभियान के अंतर्गत "ड्रग्स फ्री उत्तराखंड" के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ मिशन मोड पर कार्य कर रही है। लेकिन ये संकल्प तभी सिद्ध हो सकता है, जब हमारी युवा पीढ़ी अपनी पूरी ऊर्जा, क्षमता और दृढ़ संकल्प के साथ हमारा सहयोग करे।
इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित युवाओं को नशा मुक्त भारत अभियान की शपथ भी दिलाई। साथ ही स्कूल कॉलेजों में राज्य स्तर पर आयोजित भाषण व निंबध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित भी किया।

ckbd jSyh

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत आज पिथौरागढ़ जिले में व्यापक स्तर पर जन–जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने कलेक्ट्रेट परिसर से पिथौरागढ़ डिग्री कॉलेज तक बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वे खुद बाइक चलाकर रैली में शामिल हुए। करीब 200 प्रतिभागियों ने रैली के माध्यम से लोगों को नशा–मुक्ति का संदेश दिया। वहीं 'नशे को ना, जिंदगी को हां' के संदेश के साथ डिग्री कॉलेज पिथौरागढ़ में नशा उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान का मुख्य लक्ष्य युवाओं को जागरूक करना है।
नशामुक्त भारत अभियान के पांच वर्ष पूरे होने पर उत्तरकाशी और अल्मोड़ा जिले में भी जन–जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

fn”kk c d

नैनीताल–ऊधमसिंह नगर सांसद अजय भट्ट ने आज ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान बिजली, पानी, सड़क, आवास, स्वास्थ्य, कृ षि, उद्यान आदि से जुड़ी योजनाओं पर चर्चा की गई। वहीं, बैठक में कुछ अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए सांसद ने जिलाधिकारी को स्पष्टीकरण लेते हुए वेतन रोकने के निर्देश दिए।

l!dkfjrk e'yk p#ik$r

चम्पावत जिले के टनकपुर में आयोजित सहकारिता मेले में जैविक उत्पादों की धूम मची हुई है। मेले में जैविक व हस्तनिर्मित उत्पादों के प्रदर्शनी स्टालों पर बड़ी संख्या में लोग मिलेट्स, मसाले, दालें, शहद सहित विभिन्न हस्तनिर्मित वस्तुओं की खरीददारी कर रहे हैं। सहकारिता के संयुक्त रजिस्ट्रार मंगला त्रिपाठी ने बताया 13 नवम्बर से 19 नवम्बर तक आयोजित सहकारिता मेले में विभिन्न सहकारी समितियों और संस्थाओं द्वारा जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी लगाकर वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा दिया जा रहा है।
माया महर ने बताया कि सहकारिता मेले में लगे उनके स्टॉल पर पहाड़ी व्यंजनों का लोग लुत्फ उठा रहे हैं और इससे उन्हें अच्छा मुनाफा हो रहा है।

f$f%kd f”kf$j

बाल यौन शोषण, दुर्व्यवहार और हिंसा की रोकथाम और उपचार के लिए हर साल 18 नवंबर को विश्व दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में आज रुद्रप्रयाग जिले के राजकीय इंटर कॉलेज, जवाड़ी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव पायल सिंह की अध्यक्षता में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर प्राधिकरण की सचिव ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम सहित अन्य प्रावधानों और उनके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित इस दिवस का उद्देश्य बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों को रोकना, पीड़ितों को न्याय व उपचार दिलाना और समाज में व्यापक जागरूकता पैदा करना है।